पटपड़ा–मोरडोंगरी सड़क की बदहाली पर अंकुश जायसवाल ने जताई नाराजगी, मरम्मत की मांग



उमरेठ। परासिया अनुविभागीय अंतर्गत पटपड़ा से मोरडोंगरी तक जाने वाले मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से होने से राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर भाजपा मंडल महामंत्री एवं पूर्व सरपंच अंकुश जायसवाल ने संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित करते हुए जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। अंकुश जायसवाल ने सड़क की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि खराब सड़क के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। सड़क की समय पर मरम्मत नहीं होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने संबंधित विभाग से मार्ग का निरीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की। अंकुश जायसवाल ने चेतावनी दी कि आम जनता की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि जल्द कार्रवाई नहीं होती है, तो सड़क की समस्या को संबंधित अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। पटपड़ा–मोरडोंगरी मार्ग क्षेत्र के लोगों के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में सड़क की बदहाली दूर करने के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग ग्रामीणों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए सड़क का निरीक्षण और मरम्मत कार्य कब शुरू करता है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को भेंट किए उपहार



बिछुआ। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय बिछुआ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के साथ उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना रहा। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।विकासखंड के 39 चयनित बच्चों को उपहार दिए गए। कार्यक्रम को क्रमशः शशैलेश चोपड़े एवं प्रियवर सिंह ठाकुर ने संबोधित किया एवं बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में शासन की चल रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रियवर सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष शैलेश चोपड़े, नगर परिषद अध्यक्ष रामचंद्र बोबड़े,उपाध्यक्ष मंगलेश दूबे,जिला किसान मोर्चा उपाध्यक्ष रामसिंह पटेल, पार्षद सभापति द्वय श्रीमती झीटो बाई धुर्वे, अनिल कुर्मी, वरिष्ठ नेता साहेबराव गाकरे, रजत वानखेड़े, बीईओ अहिरवार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत इमलीखेड़ा चौक पर पौधारोपण, सांसद सहित भाजपा नेता रहे मौजूद

छिंदवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान 2026 #सेवा मेरा योगदान# के अंतर्गत आज इमलीखेड़ा चौक स्थित नवीन फायर स्टेशन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू उपस्थित रहे। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव,वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।सांसद विवेक बंटी साहू ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में #सेवा मेरा योगदान# अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान को आगे बढ़ाते हुए सभी ने पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।इस अवसर पर नवीन फायर स्टेशन परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे रोपे गए।

भैंसादंड में 70 वर्षों से चली आ रही मस्कारा गणेश उत्सव की परंपरा, विशाल इनामी दंगल का आयोजन



छिंदवाड़ा। ग्राम पंचायत भैंसादंड में पिछले 70 वर्षों से मस्कारा गणेश उत्सव की परंपरा निरंतर चली आ रही है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उत्सव के अवसर पर 9 अक्टूबर, शुक्रवार को विशाल इनामी दंगल आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों से आए पहलवानों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम में पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला गोली समाज के अध्यक्ष विनोद यदुवंशी एवं अजय सक्सेना विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों की उपस्थिति में दंगल का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।दंगल में पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना की ओर से शेर-ए-दंगल के लिए 15,001 रुपये की राशि प्रदान की गई। वहीं, जिला गोली समाज के अध्यक्ष विनोद यदुवंशी की ओर से 11,000 रुपये की राशि प्रदान की गई। इनामी राशि से पहलवानों का उत्साह बढ़ा और प्रतियोगिता में रोमांच देखने को मिला।दंगल दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तक चला। इस दौरान पहलवानों ने अपने कुश्ती कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन समिति ने क्षेत्र एवं आसपास के सभी पहलवानों और कुश्ती प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को सफल एवं यादगार बनाने में सहयोग देने की अपील की।कार्यक्रम के आयोजन में जिला गोली समाज के महामंत्री संतकुमार यदुवंशी, अध्यक्ष श्याम यदुवंशी, उपाध्यक्ष नंदा यदुवंशी, कोसा अध्यक्ष पिंकी यदुवंशी सहित भैंसादंड दंगल समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी के सहयोग से 70 वर्षों से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दंगल का आयोजन किया गया।

गुरैया जैविक हाट में सब्जियों की आवक बढ़ी, एक घंटे में बिक रही किसानों की उपज



छिंदवाड़ा। कलेक्टर के मार्गदर्शन में गुरैया सब्जी मंडी में प्रत्येक शनिवार को आयोजित होने वाले जैविक हाट में किसानों की भागीदारी और सब्जियों की आवक में लगातार वृद्धि हो रही है। रबी सीजन की शुरुआत के साथ ही खेतों में सब्जियों का उत्पादन बढ़ने लगा है, जिसका असर अब जैविक हाट में भी दिखाई देने लगा है।जैविक हाट में स्थानीय किसानों द्वारा ताजी एवं प्राकृतिक तरीके से उत्पादित सब्जियां बिक्री के लिए लाई जा रही हैं। हाट में सब्जियों की मांग इतनी अच्छी है कि कई किसानों की पूरी सब्जी महज एक घंटे में ही बिक जा रही है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अच्छा बाजार मिल रहा है, वहीं शहरवासियों को भी ताजी सब्जियां खरीदने का अवसर मिल रहा है।रबी सीजन में सब्जियों की आवक बढ़ने से आने वाले समय में जैविक हाट में सब्जियों की विविधता और उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है। किसान भिंडी, लौकी, पालक, धनिया, बैंगन, मिर्च सहित विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियां लेकर हाट में पहुंच रहे हैं।जैविक हाट का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के विक्रय के लिए सीधा बाजार उपलब्ध कराना तथा शहरवासियों को ताजी एवं प्राकृतिक रूप से उत्पादित सब्जियां उपलब्ध कराना है। इस पहल से किसानों को अपनी उपज बेचने का सुविधाजनक माध्यम मिल रहा है और उपभोक्ताओं का भी जैविक हाट के प्रति रुझान बढ़ रहा है।

सात साल से अटके 38 लाख, 17 परिवारों को संबल का इंतजार

जुन्नारदेव में संबल योजना के स्वीकृत प्रकरणों पर सवाल, जनपद अध्यक्ष सविता बोसम ने दिया 30 दिन का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

संकट की घड़ी में गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा देने वाली संबल योजना जुन्नारदेव में सवालों के घेरे में है। आरोप है कि वर्ष 2018-19 के दौरान स्वीकृत 17 प्रकरणों में करीब 38 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि सात साल बीतने के बाद भी हितग्राही परिवारों को नहीं मिली है। लंबे समय से भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे इन परिवारों का मामला अब जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सविता अशोक बोसम ने उठाया है। उन्होंने शासन और प्रशासन से लंबित राशि का भुगतान कराने तथा कथित अनियमितताओं की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।जनपद अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, श्रम विभाग के प्रमुख सचिव, संभाग आयुक्त और कलेक्टर छिंदवाड़ा सहित संबंधित अधिकारियों को मामले से अवगत कराते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा गरीब और आदिवासी परिवारों को नहीं भुगतना चाहिए। यदि प्रकरण नियमानुसार स्वीकृत हैं, तो भुगतान में हो रही देरी का कारण स्पष्ट कर समस्या का निराकरण किया जाना चाहिए।

सात साल में नहीं हुआ भुगतान, बदलते रहे अधिकारी

जनपद अध्यक्ष की ओर से उठाए गए मामले के अनुसार, संबल योजना के तहत वर्ष 2018-19 में असंगठित श्रमिकों की मृत्यु से संबंधित 17 प्रकरणों के ऑनलाइन स्वीकृति आदेश जारी हुए थे। इसके बावजूद करीब 38 लाख रुपये की सहायता राशि का भुगतान लंबित बताया जा रहा है। आरोप है कि इस अवधि में जनपद पंचायत में मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का बदलाव होता रहा, लेकिन प्रकरणों का निराकरण नहीं हो सका। दावा किया गया है कि तीन सीईओ बदलने के बाद भी परिवारों को राहत नहीं मिली।



हितग्राहियों के लगातार कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद भुगतान नहीं होने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।यदि प्रकरणों की स्वीकृति हो चुकी थी, तो राशि किस स्तर पर अटकी रही? क्या आवंटन की कमी थी या दस्तावेजों में कोई आपत्ति थी? इन सवालों का जवाब संबंधित विभाग को देना चाहिए। सात साल की देरी के लिए जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है, ताकि भविष्य में दूसरे हितग्राहियों को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

मृत श्रमिकों को बताया मौके पर अनुपस्थित

मामले में सबसे गंभीर आरोप भौतिक सत्यापन से जुड़ा है। जनपद अध्यक्ष के अनुसार, सत्यापन के दौरान कुछ मृत श्रमिकों को मौके पर अनुपस्थित दर्शाकर अपात्र कर दिया गया। इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए गए हैं कि मृत्यु से संबंधित प्रकरणों में सत्यापन किस आधार पर किया गया और संबंधित अभिलेखों की जांच किस तरह हुई।संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता के मामलों में श्रमिक की मृत्यु, पात्रता और परिवार से जुड़े दस्तावेजों का परीक्षण महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यदि किसी मृत श्रमिक को मौके पर अनुपस्थित बताकर प्रकरण अपात्र किया गया, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।सत्यापन दल ने क्या मृत्यु प्रमाणपत्र और अन्य अभिलेख देखे थे? क्या परिवार के सदस्यों से संपर्क किया गया? क्या पहले से जारी स्वीकृति आदेशों की समीक्षा की गई? इन सवालों का जवाब जांच रिपोर्ट और मूल दस्तावेजों से ही सामने आ सकता है।जनपद अध्यक्ष का आरोप है कि सत्यापन में हुई कथित लापरवाही के कारण गरीब परिवार सहायता से वंचित रह गए। यदि जांच में यह आरोप सही पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

मृत्यु और स्वीकृति की तारीखों में अंतर

श्रम अधिकारी छिंदवाड़ा को संबोधित शासकीय पत्र क्रमांक 2614/2023 के संदर्भ में भी दस्तावेजों पर सवाल उठाए गए हैं। जनपद अध्यक्ष की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, सूची में कुछ प्रकरणों की मृत्यु और स्वीकृति की तारीखों में अंतर दिखाई देता है।पहले मामले में ग्राम मनकूघाटी की स्वर्गीय श्रीमती बिस्तारिया शीलू की मृत्यु 3 अक्टूबर 2019 को होना बताया गया है, जबकि सहायता राशि की स्वीकृति 24 फरवरी 2019 दर्ज होने का दावा है। यानी दर्ज तारीख के अनुसार स्वीकृति मृत्यु से लगभग आठ महीने पहले हुई।दूसरे मामले में ग्राम इकलासानी की स्वर्गीय रकन्सा कुमरे की मृत्यु 22 अगस्त 2019 बताई गई है, जबकि स्वीकृति की तारीख 21 अगस्त 2019 दर्ज होने की बात कही गई है।इन तारीखों के अंतर को लेकर दस्तावेजों की जांच की मांग की गई है। यह पता लगाना जरूरी है कि ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज जानकारी सही है या नहीं और स्वीकृति आदेश वास्तव में कब जारी हुए। मूल अभिलेखों, पोर्टल रिकॉर्ड और संबंधित अधिकारियों के स्पष्टीकरण के आधार पर ही स्थिति स्पष्ट हो सकती है। केवल तारीखों में अंतर से फर्जीवाड़ा प्रमाणित नहीं होता, लेकिन विसंगतियों की जांच आवश्यक है।

अपील का हवाला देकर भुगतान रोकने पर सवाल

जनपद अध्यक्ष ने यह भी सवाल उठाया है कि पहले से स्वीकृत बताए जा रहे प्रकरणों में अब अपील की प्रक्रिया का हवाला देकर भुगतान में देरी क्यों की जा रही है। उनका कहना है कि विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि भुगतान रोकने का आधार क्या है और प्रकरणों के निराकरण में कौन-सी बाधा आ रही है।यदि किसी मामले में पात्रता या दस्तावेजों को लेकर आपत्ति है, तो उसका वैधानिक आधार हितग्राही परिवारों को बताया जाना चाहिए। वहीं, यदि भुगतान में कोई कानूनी बाधा नहीं है, तो संबंधित विभाग को लंबित प्रक्रिया पूरी कर राशि जारी करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

30 दिन का अल्टीमेटम, 12 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान की मांग

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सविता अशोक बोसम ने प्रशासन को 30 दिनों के भीतर करीब 38 लाख रुपये की लंबित सहायता राशि का 12 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने यह भी मांग की है कि दस्तावेजों में कथित गड़बड़ी और सत्यापन में लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।उनकी मांग है कि यदि राशि के भुगतान के लिए विशेष आवंटन की आवश्यकता है, तो शासन स्तर से तत्काल व्यवस्था की जाए। सात साल से प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को अब और इंतजार नहीं कराया जाना चाहिए। ब्याज सहित भुगतान के संबंध में शासन को लागू नियमों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर निर्णय लेना होगा।

हाईकोर्ट, ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त जाने की चेतावनी

जनपद अध्यक्ष ने कहा है कि यदि निर्धारित समय में उचित कार्रवाई नहीं होती, तो वे पीड़ित परिवारों के साथ कानूनी लड़ाई लड़ेंगी। उन्होंने जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने की बात कही है। इसके अलावा, मामले को राज्य मानव अधिकार आयोग के समक्ष उठाने तथा कथित वित्तीय अनियमितताओं और दस्तावेजों में गड़बड़ी की जांच के लिए आर्थिक अपराध अन्वेषण प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) और लोकायुक्त में शिकायत करने की चेतावनी दी है।उन्होंने स्पष्ट किया कि गरीब परिवारों को उनका हक दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। हालांकि, किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी और किसी संभावित अनियमितता की पुष्टि निष्पक्ष जांच तथा सक्षम प्राधिकारी के निष्कर्षों के आधार पर ही होगी।

आधुनिक खेती से युवा किसान संदीप ने लिखी समृद्धि की नई कहानी

हरिभूमि न्यूज, छिन्दवाड़ा। परंपरागत खेती से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीक को अपनाने का निर्णय किसी किसान की आर्थिक स्थिति को किस तरह बदल सकता है, इसकी मिसाल हैं छिन्दवाड़ा जिले के विकासखंड परासिया के ग्राम उमरेठ निवासी युवा कृषक श्री संदीप पवार। वैज्ञानिक पद्धति, ड्रिप सिंचाई और उद्यानिकी फसलों के बेहतर प्रबंधन के माध्यम से उन्होंने खेती को लाभ का माध्यम बनाया है। हरी मिर्च, करेला और शिमला मिर्च की खेती से इस वर्ष उन्होंने 24.75 लाख रुपये की कुल आय प्राप्त की, जिसमें उत्पादन लागत निकालने के बाद 13.25 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ। उनकी सफलता बताती है कि सही तकनीक और बेहतर फसल प्रबंधन के साथ खेती को आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बनाया जा सकता है। ग्राम उमरेठ के कृषक श्री संदीप पवार के पास कुल 6.504 हेक्टेयर कृषि भूमि है। पहले वे परंपरागत तरीके से खेती करते थे, जिससे उत्पादन और आय सीमित रहती थी। सिंचाई के लिए नलकूप उपलब्ध होने के बावजूद पानी का अधिक उपयोग करना पड़ता था। खेती में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2011-12 में उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत 70 प्रतिशत अनुदान पर ड्रिप सिंचाई प्रणाली स्थापित की। ड्रिप सिंचाई अपनाने के बाद उन्होंने उन्नत बीज, संतुलित उर्वरकों और वैज्ञानिक फसल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया। इस तकनीक से पौधों को आवश्यकता के अनुसार पानी और पोषक तत्व मिलने लगे। परिणामस्वरूप पानी के उपयोग में बचत के साथ फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन में भी सुधार हुआ। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और शासकीय योजना के सहयोग ने उनकी खेती को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

24 वें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान और सेवा, संकल्प एवं स्वास्थ्य के 100 दिन की श्रृंखला में भाजपा सांवरी मंडल 2 की ग्राम पंचायत लोहांगी में 24 वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान कुल 302 लोगों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें 159 महिलाओं व बालिकाओं और 143 पुरूषों व युवाओं के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। वहीं 02 गंभीर मरीज को छिंदवाड़ा जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। सांसद बंटी विवेक साहू ने लोहांगी में 24 वें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि गांवों के विकास के लिए भाजपा सरकार कृतसंकल्पित है।

जल संरक्षण के दावों के बीच तामिया के सांदीपनि स्कूल में उजाड़ दिए पेयजल स्रोत

पहले खेल मैदान के पास कुएं को दफनाया, दूसरी बार पानी की टंकी ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

केंद्र और प्रदेश सरकार जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए तालाबों, पोखरों और अन्य जल स्रोतों के संरक्षण के साथ जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक पेयजल पहुंचाने के प्रयास कर रही हैं। इसके विपरीत तामिया के सांदीपनि स्कूल परिसर में निर्माण कार्यों के दौरान पुराने पेयजल स्रोतों को नष्ट किए जाने का मामला सामने आया है। परिसर में पहले खेल मैदान के पास स्थित वर्षों पुराने कुएं को दफन किए जाने और अब पेयजल आपूर्ति करने वाली पानी की टंकी को ध्वस्त किए जाने को लेकर संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।









निर्माण की भेंट चढ़े पुराने जल स्रोत

सांदीपनि स्कूल परिसर में पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा पहले स्कूल भवन का निर्माण कराया गया। इसके बाद गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य शुरू किया गया। आरोप है कि निर्माण कार्य की योजना और एस्टीमेट तैयार करते समय परिसर में मौजूद पुराने पेयजल स्रोतों की स्थिति का उचित आकलन नहीं किया गया। जब धरातल पर निर्माण कार्य शुरू हुआ तो वर्षों पुरानी पेयजल टंकी निर्माण के रास्ते में बाधा बनने लगी। इसके बाद टंकी को ध्वस्त कर निर्माण कार्य आगे बढ़ा दिया गया।इस मामले में पुलिस हाउसिंग बोर्ड और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान पेयजल स्रोत को सुरक्षित रखने के विकल्प पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। हालांकि, इस मामले में संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

पहले कुएं को दफनाने का मामला आया था सामने

सांदीपनि स्कूल परिसर में जल स्रोतों को नुकसान पहुंचाने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले स्कूल भवन निर्माण के दौरान खेल मैदान के पास स्थित वर्षों पुराने कुएं को अनावश्यक रूप से दफन किए जाने का मामला सामने आया था। इस संबंध में हरिभूमि द्वारा समाचार प्रकाशित कर जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित किया गया था।

पंचायत सचिव ने लिखा था पत्र, दो साल बाद भी कार्रवाई का इंतजार

जानकारी के अनुसार, पेयजल टंकी के मामले में ग्राम पंचायत सचिव द्वारा तत्कालीन तहसीलदार तामिया और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई की मांग की गई थी। लेकिन आरोप है कि करीब दो वर्ष बीतने के बाद भी इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे शिकायतों के निराकरण और जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।जल संरक्षण की शिक्षा देने वाले संस्थान में ही अनदेखीस्कूलों में विद्यार्थियों को जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व की शिक्षा दी जाती है। ऐसे में शैक्षणिक परिसर में वर्षों पुराने कुएं और पेयजल टंकी को नष्ट किए जाने का मामला गंभीर चिंता का विषय है। सवाल यह भी है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले परिसर में मौजूद जल स्रोतों का सर्वे क्यों नहीं कराया गया और उनके संरक्षण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार क्यों नहीं किया गया।वहीं, पीएचई विभाग के अधिकारियों द्वारा मामले को स्कूल प्रबंधन से जुड़ा बताकर जिम्मेदारी से अलग रहने की बात भी सामने आती रही है। जबकि पेयजल टंकी की जिम्मेदारी और उसे ध्वस्त करने की अनुमति से जुड़े तथ्यों की जांच आवश्यक है।

लोकतंत्र को बचाने कांग्रेस का पैदल मार्च एवं पुतला दहन

विधायक के नेतृत्व में प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे अथवा बर्खास्तगी की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया



लोकतंत्र की रक्षा एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था की मांग को लेकर शनिवार को तामिया में कांग्रेस ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। विधायक सुनील उईके, छिंदी परीवेक्षक जमील खान, तामिया पर्यवेक्षक घनश्याम तिवारी, तामिया ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर, एवं छिंदी ब्लॉक अध्यक्ष समेत उईके के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तामिया एवं छिंदी तथा अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड से पुलिस थाना तामिया तक पैदल मार्च निकाला।पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, पूर्व सांसद श्री नकुलनाथ एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस थाने के समक्ष भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 का वाचन कर राष्ट्रगान गाया गया।

इसके पश्चात मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे अथवा बर्खास्तगी की मांग की गई।काँग्रेस के पैदल मार्च में सम्मिलित काँग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओ को सम्बोधित करते हुए जुन्नारदेव विधायक सुनील उईके ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं।

श्री रामलीला का आगाज आज से

जुन्नारदेव। नगर की ऐतिहासिक धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर श्री रामलीला का मंचन रविवार 11 अक्टूबर से प्रारंभ होगा। श्री रामलीला समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि रात्रि 8:30 बजे आरती उपरांत 9:00 बजे से श्री रामलीला का मंचन किया जाएगा।

99 वर्ष पूर्ण कर चुकी श्री रामलीला इस वर्ष 100वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। श्री रामलीला मंचन के दौरान आकर्षक लाइटिंग, साउंड सिस्टम के साथ किरदारों का समावेश विशेष आकर्षण रहेगा। इसके अतिरिक्त श्री रामलीला समिति द्वारा इस वर्ष दर्शकों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। 11 अक्टूबर को प्रार्थना, किरीट पूजन उपरांत नारद मोह की लीला का मंचन किया जाएगा।

संचालक पर लोहे की रॉड से हमला, मौके पर पहुंचे एसपी एवं एडिशनल एसपी

सनसनीखेज वारदात: विनय ज्वेलर्स में डकैतों ने बोला धावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

शहर के गणेश वार्ड स्थित गुजरी बाजार क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि एक दुस्साहसिक वारदात सामने आई है। यहां गुजरी बाजार के विनय ज्वेलर्स शॉप में हथियारबंद बदमाशों ने डकैती को अंजाम दिया। डकैतों ने दुकान के सीसीटीवी कैमरे के तार काटने के बाद ताला तोडकर करीब 160 ग्राम सोने के आभूषण व चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए।

इस दौरान दुकान संचालक राजेश खरवड़े ने साहस का परिचय देते हुए बदमाशों का मुकाबला किया, लेकिन डकैतों ने लोहे की रॉड से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। राजेश खरवडे को नागपुर रेफर किया गया है, जहां वे आईसीयू में भर्ती हैं। नवागत एसपी विदिता धनखड और एडिशनल एसपी मनकामना प्रसाद ने मौका ए वारदात का मुआयना कर डकैती प्रभावित परिवार से चर्चा की।



जानकारी के अनुसार, करीब छह बदमाश बाइक पर सवार होकर आए थे। इनमें से तीन बदमाश दुकान के अंदर घुसे, जबकि अन्य बाहर निगरानी कर रहे थे। बदमाशों ने जैसे ही ताला तोड़कर आभूषण समेटने शुरू किए, आहट पाकर दुकान में सो रहे, संचालक राजेश खरवड़े की नींद खुल गई। गौरतलब है कि, राजेश खरवडे की दुकान भूतल पर है और मकान पहली मंजिल पर स्थित है।

हार्ट सर्जरी के बावजूद दिखाया साहस

राजेश खरवडे के हार्ट मरीज होने के बावजूद उन्होंने जान की परवाह किए बिना बदमाशों का सामना किया और एक बदमाश को दबोच भी लिया। यह देख दूसरे एक बदमाश ने उनके सिर पर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद लहूलुहान अवस्था में राजेश ने पहली मंजिल पर जाकर परिजनों को घटना से अवगत कराया।

लाखों के आभूषण ले उड़े बदमाश

संचालक विनय खरवड़े के अनुसार, बदमाश दुकान से लगभग 160 ग्राम सोने के जेवर जिनमें पेंडेंट, लॉकेट, चेन और ईयर रिंग शामिल हैं तथा चांदी के बेसलेट व अन्य जेवर चुरा ले गए। हालांकि, गनीमत यह रही कि वे दुकान में रखे मुख्य लॉकर को तोड़ने में सफल नहीं हो सके। चोरी गए सामान की कुल कीमत का आकलन किया जा रहा है।

पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

यह वारदात गुजरी बाजार स्थित घनी आबादी वाले गणेश वार्ड में हुई है, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि गुजरी बाजार में वर्षों से पुलिस का गश्ती पॉइंट रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से पुलिस की नियमित मौजूदगी नहीं दिख रही थी। लोगों ने क्षेत्र में तत्काल पुलिस गश्त बढ़ाने और स्थायी गश्ती पॉइंट फिर से शुरू करने की मांग की है। इस घटना ने पुलिस महकमे की नींद उड़ा दी है। गौरतलब है कि पांढुर्णा की नवागत पुलिस अधीक्षक विदिता धनखड़ ने शुक्रवार को ही जिले में आमद दी थी और शनिवार को उन्हें विधिवत पदभार ग्रहण करना था।

श्री पंढरीनाथ मंदिर का मार्ग बंद करने का मामला, तनाव को देख प्रशासन ने संभाला मोर्चा

ग्रामीणों में भूमि मालिक एवं प्रशासन के खिलाफ आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर



बेरडी के प्रसिद्ध श्री पंढरीनाथ मंदिर के पश्चिमी मार्ग को बंद किए जाने और वहां जेसीबी चलाए जाने की घटना ने शनिवार को तूल पकड़ लिया है।

आगामी 22 से 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले ऐतिहासिक अखंड हरिनाम सप्ताह के ठीक पहले रास्ते को अवरुद्ध किए जाने से भक्तों और ग्रामीणों में प्रशासन व भूमि मालिक के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

श्रद्धालुओं का यह बढ़ता गुस्सा अब आंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार महीने पहले ग्रामीणों ने इस मार्ग की समस्या के समाधान के लिए तहसील कार्यालय में जोरदार प्रदर्शन किया था, जहां अधिकारियों ने जल्द निराकरण का आश्वासन दिया था। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने के चलते शनिवार को अचानक भूमि मालिक द्वारा विवादित मार्ग पर जेसीबी चलाकर रास्ता बंद कर दिया गया। जैसे ही इसकी भनक हरिभक्तों को लगी, वे बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए और कड़ा विरोध प्रदर्शन करते हुए अपना आक्रोश जाहिर किया।

लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और आवागमन पर संकट

पंढरीनाथ मंदिर समिति बेरडीऔर ग्रामीणों का कहना है कि माहेश्वरी चौक से मंदिर की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग बेहद संकरा छोटा है। इसके विपरीत, पश्चिमी मार्ग सौंसर-लोधीखेड़ा मुख्य सड़क से महज 250 फीट की दूरी पर जुड़ता है, जिससे बड़े आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन सुगम रहता है। इस महीने होने वाले महाआयोजन में मध्य प्रदेश और पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से हजारों की संख्या में वारकरी और श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्य मार्ग के बंद होने से श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सौसर सिद्धार्थ पटेल और एसडीओपी प्रियंका पांडे भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया और आक्रोशित ग्रामीणों से चर्चा की। अधिकारियों ने भक्तों को आश्वस्त किया कि धार्मिक आयोजन से पहले इस समस्या का नियमानुसार और उचित स्थायी समाधान निकाला जाएगा।भक्तों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मार्ग नहीं खोला गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक ने जामसांवली धाम में टेका माथा



सौंसर। पांढुर्णा जिले की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक विदिता धनखड़ ने कार्यभार संभालने के बाद आस्था के प्रमुख केंद्र चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर जामसांवली पहुंचकर शनिवार को विधिवत दर्शन किए। उन्होंने हनुमान जी की पावन मूर्ति के समक्ष शीश नवाकर पूजा-अर्चना की और संपूर्ण जिलेवासियों के लिए शांति, मंगल एवं समृद्धि की कामना की। दर्शन के उपरांत मंदिर संस्थान के अध्यक्ष गोपाल शर्मा, संरक्षक दादाराव बोबडे और वरिष्ठ ट्रस्टी विट्ठलराव डवरे ने पारंपरिक रूप से एसपी विदिता धनखड़ को श्री हनुमान जी की प्रतिकृति भेंट कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया।इस दौरान मंदिर समिति के सदस्यों ने उन्हें जामसांवली धाम के ऐतिहासिक महत्व, लोक-आस्था और विशेष अवसरों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बारे में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं।

लगा पुलिस दरबार, नवागत एसपी ने जानी अधिनस्थों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा



आज 10 अक्तुबर को विदिता धनखड ने जिला पुलिस अधिक्षक कार्यालय पांढुर्णा का पदभार ग्रहण किया। नवागत एसपी ने जिले में कानून व्यवस्थाा बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम, तथा आमजनों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किए जाने को अपनी प्राथमिकता बताया।

नवागत एस.पी. महोदया ने आज कार्यालय परिसर में जिले के पुलिस अधिकारियों का दरबार लगाया। इस मौके पर जिला पुलिस अधिक्षक महोदया ने अपने अधिनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समस्याओं को सुना और अनुशासन व पुलिसिंग के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सभी को अपने कर्तव्य के प्रति सदैव सजग रहने की अपील की

संकल्प अभियान के तहत दिया स्वच्छता का संदेश एवं किया गया पौधारोपण



तामिया। देशभर में प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 नवंबर से 17 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम जो देशभर में चल रहा है!उसी के तहत आज तामिया वन विभाग की ओर से तामिया रेंज मै कैंपा मद क्षेत्र में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम फॉरेस्ट डैम के पास आयोजित किया गया जिसमें वन विभाग के कर्मचारी अधिकारी के अलावा तामिया भाजपा मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी ईस मै उपस्थित रहे सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत पहले समस्त कार्यकर्ता पदाधिकारी द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत जंगल एवं आसपास में पड़ी खाली बोतल पानी कचरा उठाकर एकत्र किया गया जिसका मूल उद्देश्य स्वच्छता का संदेश देना था! उसके बाद तामिया जलाशय के पास पौधारोपण के अंतर्गत 300 पौधों का रोपण किया गया ,इस कार्यक्रम में तामिया मंडल के अध्यक्ष दयाराम इरपाची,प्रभारी हजारी साहू , वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के संयोजक, महामंत्री विनय साहू ,जनपद मंडल उपाध्यक्ष रियाज खान निलेश डेहरिया वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश मिश्रा युवा मोर्चा अध्यक्ष वतन उपाध्याय विनोद अग्रवाल के अलावा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी वन विभाग के कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे।

भमोडी में 23 महिलाओं को मिला सिलाई-कटाई प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया



आशा किरण पुनर्वास केंद्र भमोडी में सिलाई-कटाई का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 23 महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत सरपंच विपिन श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया गया। इसमें वर्तमान फैशन के अनुरूप कपड़ों की डिजाइन, कटाई और सिलाई का व्यावसायिक प्रशिक्षण शामिल था। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं द्वारा तैयार किए गए कपड़ों, बैग और अन्य सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, ताकि उनके उत्पादों का प्रचार-प्रसार हो सके और महिलाओं को स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

सर्व पितृ मोक्ष आमवस्या सैनिकों, ऋषियों, देवताओं सहित पितरों का किया तर्पण

छिंदवाड़ा। सँस्कृत पुसतोकोउन्नति सभा द्वारा संचालित सन्त श्री आशाराम जी आश्रम खजरी में आज सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या के दिन सैनिको ,ऋषियों ,देवताओं और पितरो का वैदिक रूप से तर्पण कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की । इस अवसर पर खजरी आश्रम के संचालक जय राम भाई ने बताया कि हम सभी ऋषि मुनि ,देवगण ,पितरो सहित देश की रक्षा के लिए सीमा पर शहीद हुए सैनिकों के भी ऋणी है । उन सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना ही श्राद्ध है । हमारे पूर्वजों ने हमे जन्म दिया ,नाम दिया ,गोत्र दिया शरीर दिया । सब दिया ही दिया है उनके मोक्ष की कल्याण की कामना करना हम सभी का परम कर्तव्य भी है । कार्यक्रम में हजारों साधकों ने उपस्थित दर्ज की । आश्रम प्रबन्धक द्वारा योग्य ब्रहामणों की व्यवस्था की गई थी । इसके पूर्व श्री शक्ति ट्रस्ट द्वारा संचालित सन्त श्री आशाराम जी गुरुकुल और श्री योग वेदांत सेवा समिति ने पितृ पक्ष के दौरान शहर में हजारों राहगीरों को निशुल्क भोजन(हलवा और पुलाव) वितरण किया गया।



भाजपा कार्यालय में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन



सौंसर। भारतीय जनता पार्टी के 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत भाजपा कार्यालय सौसर में एक गरिमामय वातावरण में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजनों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और आपात स्थिति में जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था।शिविर को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता की रक्षा का एक परम पावन माध्यम है। 'सेवा, समर्पण और जनकल्याण' के मूलमंत्र को साकार करते हुए किसी संकटग्रस्त व्यक्ति का जीवन बचाना समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों से समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है।इस अवसर पर नगर पालिका सौसर अध्यक्ष सुरेखा इन्द्रचंद डागा, पूर्व जिला महामंत्री राहुल मोहोड, देवेन्द्र गायकवाड़, जिला उपाध्यक्ष रामकृष्ण वाकोडे, इन्द्रचंद डागा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विवेक गायकवाड़ आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय, मोंटफोर्ट व भारत ज्योति ने जीते अपने मुकाबले

*** रविवार को अंतर शालेय बालक वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में होंगे 4 मैच।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



स्थानीय महात्मा गांधी स्टेडियम में जिला फुटबाल संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंडला के संयुक्त तत्वाधान में अंतर शालेय बालक वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन शनिवार को खेले गए तीन मैच में पहला मैच केंद्रीय विद्यालय संगठन और नेहरू शाला महाराजपुर के बीच खेला गया। इस मैच में केंद्रीय विद्यालय ने शिवम मार्को के दो गोलों की मदद से नेहरू शाला महाराजपुर को दो शून्य से मात दी। दूसरा मैच शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 और मोंटफोर्ट स्कूल के बीच खेला गया। इस मैच में मोंटफोर्ट ने क्रमांक 2 को एक के मुकाबले तीन गोलों से मात दी। मोंटफोर्ट की ओर से अनमोल मिश्रा ने दो और यश ने एक गोल किया, तो वही क्रमांक 2 की तरफ से एकमात्र गोल सुमित ने किया। शनिवार का तीसरा व अंतिम मैच भारत ज्योति विद्यालय व अमल ज्योति विद्यालय के मध्य खेला गया। इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में समीर पैंड्रो के गोल की मदद से भारत ज्योति विद्यालय ने अमल ज्योति को एक शून्य से शिकायत दी। रविवार को चार मैच खेले जाएंगे। पहला मैच क्रमांक 2 व बेल वेदर के मध्य खेला जाएगा। दूसरा मैच मोंटफोर्ट व अमल ज्योति के मध्य होगा। तीसरा मैच ज्ञानदीप स्कूल और एक्सीलेंस स्कूल के मध्य खेला जाएगा। चौथा व अंतिम मैच केंद्रीय विद्यालय व ब्रेन चाइल्ड के बीच खेला जाएगा। इस दौरान जिला हॉकी संघ के सचिव सैयद कमर अली, जिला फुटबाल संघ के संरक्षक डॉ. दिलीप शर्मा, अनिल सोनी, अनूप बासल, चंद्रेश खरे, उपाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, सचिव पंकज उसराठे, मतीन खान, समीर बाजपाई, सैयद सिकंदर अली, अभिषेक यादव, प्रथम चौकसे, रमन चौरसिया, ऋषि राय, योगेश चौरसिया, मिनी सिंह, अविनाश पापलर जैन,शशांक चौबे, सुरजीत नायर कुट्टन उपस्थित थे।



राशि पूरी खर्च कर दी गई लेकिन शौचालय निर्माण अभी भी अधूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



जिले में ऐसे सैकड़ों निर्माण कार्य हैं जिनकी लागत राशि पूरी तरह खर्च कर दी गई है लेकिन निर्माण कार्य आज भी अधूरे पड़े हैं अब जबकि निर्माण कार्य पूरे नहीं किये गये तो फिर उनकी लागत राशि कहां और किसने खर्च कर दी।

जिला प्रशासन कहने को तो निर्माण कार्यों की लगातार समीक्षा करता रहता है और साथ ही चेतावनी भी जारी करता है कि जहां भी गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य होंगे उसके दोषियों को दण्डित किया जायेगा और दोबारा से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराये जायेंगे अब समझ से परे यह बात है कि जिले की निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक कलेक्टर लेते हैं जिसमें जनपद जिला के अलावा विभिन्न निर्माण एजेंसियाँ उनके अधिकारी शामिल होते हैं और बैठक महज निर्देश जारी कर समाप्त हो जाती है। क्या बैठक में निर्माण कार्यों की सूची मंगाई जाती है, उनकी वर्तमान स्थिति जांची जाती है, उस निर्माण कार्य को लेकर कितनी राशि कब-कब आहरित की गई क्या उस पर गंभीरता से चर्चा होती है, निर्माण कार्यों के जो मूल्यांकन किये गये क्या वे ईमानदारी के साथ किये गये हैं अथवा नहीं और निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा समय पर निर्माण कार्य नहीं होने के पीछे कौन दोषी है इन बिन्दुओं पर भी क्या चर्चा होती है यदि होती है तो फिर कैसे आधे घंटे में बैठक निर्देश जारी कर समाप्त कर दी जाती है। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि जिला प्रशासन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और जिम्मेदारों के प्रति कितना गंभीर है। कल बैठक हुई और आज यह मुद्दा प्रकाश में आया जो शौचालय निर्माण का है यह विकासखण्ड मोहगांव का मामला है जहां पर राशि तो पूरी आहरित कर ली गई लेकिन निर्माण के नाम पर आज भी सिर्फ जर्जर

गरबा | **वीरांगना क्षत्राणी गरबा में पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगी।**

नारी शक्ति करेगी लेजियम और तलवार के साथ गरबा

*** विभिन्न आयु वर्ग की बालिकाएं और महिलाएं होंगी शामिल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



नारी शक्ति, साहस और शौर्य की संस्कृति को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से मंडला में वीरांगना क्षत्राणी गरबा का आयोजन किया जा रहा है। वीरांगना दल समिति के तत्वाधान में होने वाले इस अनूठे आयोजन में बालिकाएं और महिलाएं पारंपरिक गरबा के साथ लेजियम, तलवार और शस्त्रों का प्रदर्शन करेंगी।

आयोजन में पारंपरिक नृत्य के साथ वीरता और आत्मरक्षा की भावना का संगम देखने को मिलेगा। इसके लिए उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में सुबह और शाम को नियमित प्रशिक्षण चल रहा है। इसमें आर्योदय गुरुकुलम जयपुर से आए आचार्य सत्यम और मंडला से वीरांगना दल संयोजिका प्रीति मौर्य द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को गरबा की बारीकियों के साथ लेजियम और तलवार के साथ प्रस्तुति देने का अभ्यास कराया जा रहा है।

काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल, गाजीपुर के विशेष सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 16 अक्टूबर को कृषि उपज मंडी परिसर में गरबा का आयोजन होगा। वहीं 17 अक्टूबर को युवम परिवार परिसर इंडोर स्टेडियम के समीप शस्त्र पूजन के साथ साहसिक गरबा की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

आयोजन में प्रतिभागियों के लिए पारंपरिक वेशभूषा निर्धारित की गई है। खास बात यह है कि इसमें विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के साथ नन्ही बालिकाएं भी उत्साह से भाग ले रही हैं। समिति का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देना है। यह आयोजन पारंपरिक गरबा कला को नया आयाम देने के साथ भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और शौर्य की परंपरा को भी प्रदर्शित करेगा।



जरूरतमंद विद्यार्थियों को बांटी गई शैक्षणिक एवं खेल सामग्री



हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, मंडला में जिला स्तरीय 'सेवा संकल्प कार्यक्रम 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सेवा भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पाठ्य सामग्री, खेलकूद सामग्री एवं 'प्रोजेक्ट संकल्प' के अंतर्गत अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि छोटे-छोटे सेवा कार्य भी समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने तथा स्वच्छता, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने युवाओं से आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कारों एवं सामाजिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा,सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग डॉ. अरुण शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी रंजीत गुप्ता, विद्यालय की प्राचार्य कल्पना नामदेव एवं एपीसी मुकेश पांडे सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

एक-एक प्रति की हार्ड कॉपी कलेक्टर कार्यालय की लायसेंस शाखा में जमा करना भी अनिवार्य होगा लायसेंस के लिए निर्धारित पात्रता

सिवनी। अस्थायी पटाखा लायसेंस के लिए केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति ही आवेदन कर सकेंगे। आवेदक को किसी आपराधिक मामले में न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही आवेदक विकृत चित्त का न हो तथा दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अध्याय 8 अथवा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के भाग 9 के अंतर्गत परिशांति कायम रखने और सदाचार के लिए बंधपत्र निष्पादित करने का आदेश उसके विरुद्ध पारित न हुआ हो। आवेदक को इन तथ्यों के संबंध में निर्धारित शपथपत्र भी प्रस्तुत करना होगा। जारी निर्देशों के अनुसार, पुराने लायसेंसधारियों को प्राथमिकता दी जाएगी। अतः इच्छुक पात्र आवेदक निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक दस्तावेजों की हार्ड कॉपी कलेक्टर कार्यालय की लायसेंस शाखा में जमा करना सुनिश्चित करें।

उत्तर सिवनी वनमंडल के वनक्षेत्रों में सीताफल संग्रहण पर प्रतिबंध

सिवनी। वनमंडल अधिकारी, उत्तर सिवनी वनमंडल द्वारा वनक्षेत्रों में जैवविविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से सीताफल संग्रहण पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, उत्तर सिवनी वनमंडल के अंतर्गत जिन वनक्षेत्रों से सीताफल का संग्रहण किया जाता है, उन समस्त वनक्षेत्रों को अक्टूबर 2026 तक की अवधि के लिए सीताफल संग्रहण हेतु निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। मध्य प्रदेश वन उपज (जैवविविधता का संरक्षण और पोषण कटाई) नियम, 2005 के नियम 3, 4 एवं 5 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत जारी आदेश के अनुसार, निर्धारित अवधि तक संबंधित वनक्षेत्रों से सीताफल का संग्रहण प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध वनक्षेत्रों में जैवविविधता के संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दृष्टि से लागू किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नियमों के उल्लंघन पर छह माह तक के कारावास एवं जुर्माने का प्रावधान है।

लाइब्रेरियन डॉ. सीएल अहिरवार की अभिनव पहल से पुस्तकालय में बढ़ी रौनक

सिवनी। कॉलेज के लाइब्रेरियन डॉ. सीएल अहिरवार ने विद्यार्थियों में पुस्तक अध्ययन की रुचि विकसित करने और नियमित अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए एक अभिनव पहल शुरू की है. प्रतिमाह पुस्तकालय में बैठकर नियमित अध्ययन करने वाले पांच श्रेष्ठ विद्यार्थियों को वे पुरस्कृत करते हैं. इस पहल का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है. बड़ी संख्या में विद्यार्थी पुस्तकालय में बैठकर अपने विषयों की पुस्तकों का अध्ययन करने के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहें हैं. इसके लिए आवश्यक पुस्तकें और प्रतियोगी परीक्षाओं की पत्रिकाएं भी उपलब्ध हैं. इसका विशेष लाभ आर्थिक रूप से कमजोर, निर्धन और जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिल रहा है. डॉ. सत्येन्द्र कुमार शेन्डे ने बताया कि डॉ. अहिरवार की यह पहल विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ पुस्तकालय के उपयोग को भी प्रोत्साहित कर रही है. पुस्तक एवं लेखन सामग्री वितरण कार्यक्रम के दौरान उप-प्राचार्य डॉ. सविता मसीह, डॉ. मनोज कुमार टेंभरे, डॉ. रामकुमार नायक, डॉ. राधेश्याम डहेरिया, डॉ. मुन्नालाल चौधरी, डॉ. मानसिंह बघेल, कमल ब्रह्मवंशी, भगीरथ पटेल सहित कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

अधेड़ का शव जंगल से बरामद

सिवनी। जिले के पुलिस थाना उगली क्षेत्रांतर्गत एक व्यक्ती जो जंगल लकड़ी के लियज गया था, जो मृत अवस्था में दामीझोला के जंगल में मृत मिला प्राप्त जानकारी के अनुसार हुकुम लाल स्व. तेजलाल बंजारे उम्र 58 निवासी घुरवाडा जो 7 अक्टुबर को लकडी लेने जंगल गया था, देर शाम जब घर नहीं लौटा तो परिजनों ने पता लगाना शुरु किया, गत दिवस 9 अक्टूबर शुक्रवार को दामीझोला के जंगल की तरफ अपने पिता को ढूंड रहे थे, मृतक का लडका और ग्रामीणों ने जंगल में पता लगाते समय एक मृत व्यक्ति को देखा जिसकी जानकारी पुलिस थाना उगली को सूचना दी गई, थाना प्रभारी उगली के दिशा निर्देश पर उप थाना प्रभारी सुमेरचंद उइके स्टाफ के साथ घटना स्थल पर पहुंचे, शव को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त शुरु किये, उक्त व्यक्ति हुकुम लाल बंजारे के रुप में पहचान हुई, पृथम दृष्टया मृतक जंगली जानवर के द्वारा मृत्यु होना पाया गया।

कुएं में मिली अज्ञात महिला की लाश की कुछ घंटे बाद हुई पहचान

खुर्सीपार गांव की रहने वाली थी महिला, अंजनिया गांव में खेत के कुएं में मिला था शव

छपारा। सिवनी जिले के छपारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अंजनिया में शनिवार सुबह खेत के कुएं में मिली अज्ञात महिला की लाश की कुछ ही घंटों बाद पहचान हो गई। महिला की पहचान खुर्सीपार गांव निवासी सरोज वर्मा (40 वर्ष), पति घूर्णन वर्मा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे ग्राम अंजनिया में राहुल विश्वकर्मा के खेत स्थित कुएं में महिला का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही छपारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर आवश्यक कार्रवाई की।



दोपहर 2 बजे हुई पहचान

शुरुआत में महिला की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस द्वारा पहचान के प्रयास किए जा रहे थे। इसी दौरान शनिवार दोपहर करीब 2 बजे महिला की पहचान खुर्सीपार निवासी सरोज वर्मा के रूप में हुई।

परिजनों ने बताई यह बात

परिजनों ने पुलिस को बताया कि महिला पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थी और कभी-कभी बिना बताए घर से निकल जाती थी। परिजनों के अनुसार, वह रात में भी बिना बताए घर से निकल गई थी।

मौत की वजह अब भी स्पष्ट नहीं

फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। महिला खुर्सीपार से अंजनिया गांव कैसे पहुंची और उसकी मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। महिला की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

कृषि उपज मंडी समिति पलारी में व्यापारियों की बैठक संपन्न

पलारी, जिला सिवनी। कृषि उपज मंडी समिति पलारी में मंडी क्षेत्र के व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडी में कृषि उपज की आवक, नीलामी एवं क्रय-विक्रय व्यवस्था तथा मंडी प्रांगण में नियमित मंडी कार्रवाई प्रारंभ किए जाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही सोयाबीन भावांतर योजना के अंतर्गत क्रय-विक्रय एवं भुगतान संबंधी विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिनांक 21 अक्टूबर 2026 से कृषि उपज मंडी समिति पलारी के मंडी प्रांगण में नियमित मंडी कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। इस अवसर पर 21 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे मंडी प्रांगण में कृषि उपज की नीलामी का आयोजन किया जाएगा तथा शुभ मुहूर्त के साथ नियमित मंडी कार्रवाई का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा।साथ ही किसानों की उपज की रोजाना नीलामी किए जाने पर सभी व्यापारियों द्वारा सहमति दर्ज कराते हुए मंडी समिति को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। वहीं, मंडी समिति द्वारा भी किसानों एवं व्यापारियों के हित में आवश्यक एवं समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने हेतु आश्वस्त किया गया।मंडी समिति द्वारा क्षेत्र के समस्त कृषकों से अपील की गई है कि वे अपनी कृषि उपज को कृषि उपज मंडी समिति पलारी के मंडी प्रांगण में ही विक्रय हेतु लेकर आएं। मंडी के माध्यम से उपज विक्रय करने पर कृषकों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने का अवसर, नियमानुसार तौल-कांटे की सुविधा तथा भुगतान की पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध होगी। कृषकों से विशेष रूप से आग्रह किया गया है कि वे अपनी उपज का विक्रय कृषि उपज मंडी समिति पलारी में अनुज्ञप्तिधारी (लाइसेंसधारी) व्यापारियों के माध्यम से ही करें। मंडी प्रांगण में नियमानुसार तौल एवं क्रय-विक्रय प्रक्रिया होने से अनियमितता एवं धोखाधड़ी की संभावना को कम किया जा सकता है तथा कृषकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।मंडी समिति ने सभी कृषकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे मंडी व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने में सहयोग करें तथा 21 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ होने वाली नियमित मंडी कार्रवाई एवं दैनिक नीलामी व्यवस्था में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

सेवा संकल्प अभियान: जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क पुस्तकें और लेखन सामग्री वितरित



कॉपी-किताब और कलम पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

सिवनी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकें एवं लेखन सामग्री वितरित की गई. कॉलेज की इस संवेदनशील पहल से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी झलक उठी।श. कार्यक्रम में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को भी अध्ययन सामग्री प्रदान की गई.

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सीएल अहिरवार तथा सह-संयोजक डॉ. सत्येन्द्र कुमार शेन्डे और डॉ. मुन्नालाल चौधरी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जरूरतमंद बच्चों को सहायता प्रदान करने तथा पढाई के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से निःशुल्क पुस्तकें और लेखन-सामग्री प्रदान की गईं. कॉलेज ने अपने संसाधनों से लगभग 25 विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें, कॉपियां, कलम और अन्य लेखन सामग्री उपलब्ध कराई.

इस मौके पर प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग ने कहा कि कॉलेज प्रशासन विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं और उनकी समस्याओं के प्रति सदैव संवेदनशील है. विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने तथा जरूरत के समय उनकी सहायता करने के लिए कॉलेज प्रशासन हमेशा तत्पर रहता है.

डॉ. सत्येन्द्र कुमार शेन्डे ने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को समय पर मिलने वाली छोटी-सी सहायता भी उनके लिए बड़ा वरदान बन सकती है. साथ ही, विद्यार्थियों की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने के लिए आत्मविश्वास और प्रेरणा जगाती है.

विद्यासागर पाठशाला का कलश स्थापना आज

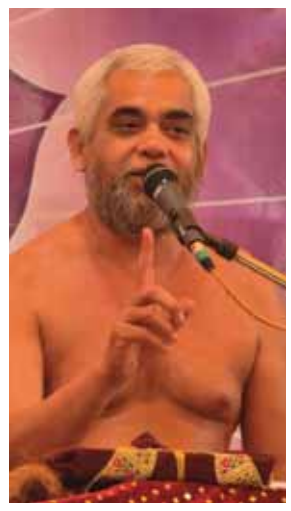
सिवनी। बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ धर्म, संस्कार और नैतिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से रविवार, 11 अक्टूबर को लखनादौन में आचार्य श्री 108 विद्यासागर दिगंबर जैन पाठशाला का ज्ञान कलश स्थापना समारोह आयोजित किया जाएगा। पाठशाला प्रणेता मुनि श्री 108 निर्वेगसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में यह कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से 10:30 बजे तक हृदय स्थल, बाजार प्रांगण में संपन्न होगा। इस अवसर पर स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन भी किया जाएगा।

बच्चों के संस्कार निर्माण को लेकर मुनि श्री की विशेष प्रेरणा

धर्म, संस्कार और नैतिक शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ी को सही दिशा देने पर विशेष जोर देते हैं। पाठशाला प्रणेता के रूप में उनकी प्रेरणा का उद्देश्य बच्चों को जैन धर्म के सिद्धांतों, अहिंसा, करुणा, संयम, सदाचार और जीवन-मूल्यों से जोड़ना है। उनका मानना है कि बच्चों का भविष्य केवल किताबी ज्ञान से नहीं, बल्कि अच्छे संस्कारों, अनुशासन और सही जीवन-दृष्टि से भी निर्मित होता है।लखनादौन में वर्षों से संचालित जैन पाठशाला को नया स्वरूप देने की पहल इसी सोच का हिस्सा है। आधुनिक समय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्मार्ट क्लासरूम जैसी सुविधाओं से शिक्षा को अधिक रुचिकर और व्यवस्थित बनाने के साथ बच्चों को धर्म एवं संस्कृति की शिक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है।

धर्म जीवन का सच्चा मित्र, संकल्प से जागती है आत्मशक्ति

महाराज श्री ने धर्म को जीवन का सच्चा मित्र बताते हुए कहा कि धर्म का मार्ग अपनाना कठिन नहीं है; आवश्यकता दृढ़ मानसिकता और संकल्प की है। जब व्यक्ति बुराइयों को छोड़ने और अच्छे



विचारों को जीवन में अपनाने का निश्चय करता है, तो यही संकल्प उसके भीतर आत्मशक्ति उत्पन्न करता है। धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने और आचरण को श्रेष्ठ बनाने का माध्यम है।महाराज श्री की इस प्रेरणा के अनुरूप जैन पाठशाला बच्चों में अच्छे विचारों, नैतिकता, अनुशासन और धार्मिक चेतना का बीजारोपण करने का माध्यम बन सकती है।

स्कूल से शिक्षा, पाठशाला से संस्कार

बदलते समय में परिवारों की संरचना और जीवनशैली में बदलाव आया है। माता-पिता बच्चों को बेहतर सुविधाएँ और आधुनिक शिक्षा देने का प्रयास करते हैं, लेकिन व्यस्त दिनचर्या के कारण संस्कारों के लिए अलग से समय निकालना कई बार चुनौती बन जाता है ऐसे में जैन पाठशालाएं बच्चों को धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। स्कूल बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान देता है, जबकि पाठशाला उन्हें अपनी संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और जीवन-मूल्यों को समझने का अवसर प्रदान करती है। इसलिए अभिभावकों से अपेक्षा है कि वे बच्चों को नियमित रूप से पाठशाला भेजें, ताकि शिक्षा के साथ उनके व्यक्तित्व और चरित्र का भी विकास हो सके। "स्कूल से शिक्षा, पाठशाला से संस्कार, धर्म से जीवन की दिशा और संकल्प से आत्मशक्ति मिलती है।" यही संदेश इस आयोजन की मूल भावना को व्यक्त करता है। जैन पाठशाला का यह आयोजन बच्चों को संस्कारित, अनुशासित और धर्म-संस्कृति के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में समाज का सामूहिक प्रयास है।

आज भव्यता से मनाया जाएगा महाराजाधिराज अग्रसेन का जन्मोत्सव सुबह वाहन रैली, शाम को शोभा यात्रा निकालेगा अग्रवाल समाज

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते डांस ग्रुप।
फेंसी ड्रेस में महाराज अग्रसेन बना प्रतिभागी बच्चा।
कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिकजन।

सिवनी। अग्रकुल प्रवर्तक महाराज श्री अग्रसेन का 5180वां जन्मोत्सव को 11 अक्टूबर को जबलपुर रोड लूघरवाड़ा के अग्रसेन भवन में सिवनी अग्रवाल समाज द्वारा भव्यता से मनाया जाएगा। सुबह 10 बजे गंगानगर से भव्य वाहन रैली प्रारंभ होगी, जो मुख्य समारोह के अतिथियों को साथ लेकर शहर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण कर लूघरवाड़ा श्री अग्रसेन भवन पहुंचेगी। यहां श्री अग्रसेन महाराज का हवन-पूजन मुख्य यजमान श्री राजकुमार-संध्या अग्रवाल द्वारा कराया जाएगा। दोपहर 1 बजे से मुख्य समारोह के मंचीय कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत, परिचय और उद्बोधन होगा। समारोह में मुख्य अतिथि श्री शैलेष कुमार अग्रवाल (आर्वी), श्रीमती शोभादेवी अग्रवाल (आकोला), विशिष्ट अतिथि श्री संतोष कुमार अग्रवाल (मुलताई), श्री लक्ष्मण प्रसाद मोदी



(केवलारी) शामिल होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष श्री राकेश अग्रवाल (भालोटिया) करेंगे। समारोह में समाज के मेघावी छात्रों तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरित किए जाएंगे। शाम 5 बजे दुर्गा चौक से परंपरा अनुसार गाजे-बाजे के साथ महाराज श्री की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो नगर भ्रमण के बाद दुर्गा चौक में समाप्त होगी। अग्रवाल समाज समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने सभी सामाजिकजनों से सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर सामाजिक एकता का परिचय देने का आग्रह किया है।

नन्हें बच्चों ने फेंसी ड्रेस से दिया सकारात्मक संदेश

प्रवक्ता श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 9 अक्टूबर को शाम 7 बजे से कक्षा 3 से 5वीं तक के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। नन्हें बच्चों ने फैंसी ड्रेस के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ-साथ वन्यजीवों और जैव विविधता से समृद्ध मध्यप्रदेश की अनूठी तस्वीर को उकेरा। बच्चों ने अपनी वेशभूषा के जरिए धर्म-संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपरा की विरासत को बहुत ही खूबसूरती से समझाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रवाल समाज समिति के पदाधिकारियों व वरिष्ठजनों द्वारा महाराज अग्रसेन और माता महालक्ष्मी के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत नृत्य प्रतियोगिताओं में महिला ग्रुप व युवती ग्रुप ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। इसमें दक्षिण के देवी मां पर आधारित नृत्य के अलावा अहमदाबाद प्लेन क्रैश की घटना पर आधारित ऊंची उड़ान नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। लड़कियों की हर क्षेत्र में बढ़ती ताकत को नृत्य से प्रस्तुत किया गया। वहीं फेंसी ड्रेस प्रतियोगिता में शिव-शक्ति स्वरूप, वाल्मीकि रामायण पर आधारित प्रसंग, मातृ-पितृ की सेवा पर आधारित प्रस्तुतियां शामिल रहीं। बच्चों ने सोलर पैनल, अग्रसेन महाराज, रानी सती जी और विभिन्न पौराणिक स्वरूपों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। रील बनाओ प्रतियोगिता में ननद-भाभी, दया-जेठालाल, राजस्थानी दंपति और विभिन्न किरदारों के माध्यम से पारिवारिक रिश्तों पर आधारित रील्स के जरिए समाज को संदेश दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंच संचालन श्रीमती प्रीति विजय अग्रवाल और सुश्री अनुशिखा मिनी अग्रवाल ने किया। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में लर्न पोइंट स्कूल के प्रबंधक श्री आनंद शर्मा तथा किड्स जी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य श्रीमती शक्ति राय उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से युवा बन रहे आत्मनिर्भर, संवर रहा देश का भविष्य



कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित 'देश में शिक्षा का भविष्य' विषय पर हुई पैनल चर्चा

सिवनी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विकास एवं योगदान पर केंद्रित कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर विचार व्यक्त किए, वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से इस नीति के महत्व और योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. इस अवसर पर 'देश में शिक्षा का भविष्य' विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित हुई. कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन, वंदन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ. सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन हुआ. प्रभारी प्राचार्य डॉ. सविता मसीह ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युवाओं के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. इस नीति ने देश के शैक्षिक वातावरण में सकारात्मक बदलाव लाने तथा विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने के सहायक सिद्ध हुई है. मुख्य वक्ता डॉ. मानसिंह बघेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने युवाओं के लिए करियर निर्माण और स्वरोजगार की संभावनाओं को व्यापक बनाया है. आज के युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपने कौशल और नवाचार के माध्यम से रोजगार के अवसर भी सृजित कर रहे हैं. कहा कि आत्मनिर्भर युवा ही देश की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं. कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सत्येन्द्र कुमार शेन्डे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में हमारी संस्कृति, प्रकृति और प्रगति को ध्यान में रखते हुए शिक्षा को अधिक प्रासंगिक एवं उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. यह नीति वर्तमान की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ देश के सुनहरे भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है. इसके माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को नई दिशा मिल रही है। कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. गनेश मंतारे ने आयोजन की रूपरेखा बताई. इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों, योगदान और महत्व को रोचक एवं कलात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया.

NH-44 के नाले में फेंका खतरनाक बायोमेडिकल कचरा, वन्यजीवों पर मंडराया खतरा

घोघरी के समीप पुलिया के नीचे बड़ी मात्रा में मिली दवाइयां, इंजेक्शन और मेडिकल वेस्ट; प्रशासन से सुरक्षित निपटान की मांग

छपारा। नगर से करीब चार किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के ग्राम घोघरी के समीप घुनई घाट के शुरुआती मोड़ पर बनी पुलिया के नीचे अज्ञात लोगों द्वारा बड़ी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा फेंकने का मामला सामने आया है। 9 अक्टूबर को नाले में नजर आए इस कचरे को देखकर स्थानीय लोग हैरान रह गए। मौके पर दवाइयों, इंजेक्शन और उपचार के बाद निकलने वाले मेडिकल वेस्ट जैसी सामग्री बिखरी पड़ी है।बताया जा रहा है कि कचरे की मात्रा लगभग एक वाहन भर और वजन करीब तीन टन होने का अनुमान है। हालांकि, इसकी वास्तविक मात्रा और स्रोत की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। स्वास्थ्य सेवाओं से निकलने वाले ऐसे कचरे का नियमानुसार अलग-अलग संग्रहण कर सुरक्षित परिवहन और निर्धारित प्रक्रिया से निपटान किया जाना आवश्यक है। खुले में इसका निस्तारण संक्रमण और पर्यावरण प्रदूषण का खतरा बढ़ा सकता है।चिंता की बात यह है कि जिस नाले में यह कचरा फेंका गया है, वह आगे चलकर बैनगंगा नदी में समाहित हो जाता है। ऐसे में कचरा पानी और आसपास के क्षेत्र में फैलने से जलीय जीवों तथा वन्यजीवों के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है।स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर कचरा फेंकने वालों की पहचान की जाए। साथ ही, मौके से मेडिकल वेस्ट को सुरक्षित तरीके से एकत्रित कर अधिकृत निस्तारण केंद्र तक पहुंचाया जाए, ताकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य को संभावित नुकसान से बचाया जा सके।



खबर संक्षेप

कालिदास समारोह में मयंक चौधरी ने हासिल किया प्रथम स्थान

वारासिवनी। जिला स्तरीय कालिदास समारोह प्रतियोगिता में सांदीपनि शासकीय टिहलीबाई उत्कृष्ट विद्यालय वारासिवनी के प्रतिभाशाली छात्र मयंक चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। 8 अक्टूबर 2026 को आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मयंक ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन की उपस्थिति में मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शरद ज्योतिषी एवं सांदीपनि टिहलीबाई उत्कृष्ट विद्यालय वारासिवनी के प्राचार्य हुमराज पटले सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मयंक चौधरी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और संभाग स्तर पर अपनी जगह बनाई। मयंक चौधरी को इस उपलब्धि तक पहुंचाने में संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। वहीं मार्गदर्शक शिक्षक के रूप में श्रीमती अन्नू एम राहंगडाले ने जिला स्तर पर प्रतियोगिता की तैयारी एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहयोगी शिक्षक के रूप में सुश्री डाली खैरवार एवं मुकेश देशकर का भी सराहनीय योगदान रहा।मयंक की इस सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं समस्त शाला परिवार ने छात्र मयंक चौधरी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई। सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के लिए यह उपलब्धि गौरव का विषय है।

जमीन विवाद को लेकर युवक को लाठी डंडो से मारकर किया घायल

वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम सोनबा टोला में शनिवार की सुबह अपने खेत से पानी की मोटर बंद करके घर जा रहे एक युवक को गाँव के ही एक परिवार के 6-7 सदस्यों ने घेरकर लाठी डंडे से मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जिसके बाद घायल युवक को कुछ लोगों ने बाइक की सहायता से शासकीय चिकित्सालय वारासिवनी में लाकर भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों द्वारा उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद घायल युवक की गम्भीर स्थिति को देखते हुए उसे बालाघाट जिला चिकित्सालय उचित उपचार के लिए भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने दोनों ही पक्षों के बयान दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। मिली जानकारी अनुसार ग्राम सोनबाटोला निवासी 36 वर्षीय घायल जगदीश पिता दौनलाल गौतम और लोकेश चौधरी के परिवारों के बीच खेत की जमीन का विवाद चल रहा है। इस मामले में तहसीलदार न्यायालय का आदेश भी हुआ है और कुछ दिनों पहले तहसीलदार ने खुद स्थल पर जाकर लोकेश चौधरी के परिजनों को समझाइश दी थी। मगर तहसीलदार न्यायालय के आदेश व तहसीलदार की समझाइश को दरकिनार करते हुए लोकेश चौधरी के परिवार वाले जगदीश गौतम के परिवार को उस रास्ते से जाने आने के लिए मना करते है।शनिवार की सुबह जब जगदीश गौतम अपने खेत से पानी की मोटर बंद करने के पश्चात अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में लोकेश चौधरी के परिवार वालों ने घेराबंदी कर जगदीश गौतम को लाठी डंडों से लहूलुहान कर दिया। फिलहाल पुलिस ने दोनों परिवारों वालो के बयान दर्ज मामले को जांच में लिया है।

स्कूल में घुसकर डिप्टी कमांडेंट ने छात्र को पीटा: बेटे के सहपाठी से मारपीट

परिजन बोले- गर्दन पकड़कर तीसरी मंजिल से फेंकने की धमकी दी

हरिभूमि न्यूज़ बालाघाट। बालाघाट जिले के गर्रा मांझापुर स्थित साहूटोला सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में 36वीं वाहिनी के डिप्टी कमांडेंट संतोष डहेरिया पर अपने बेटे के सहपाठी से मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़ित छात्र के परिजन शनिवार को एसपी कार्यालय पहुंचे और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। छात्र की मां ममता वासनिक का आरोप है कि डिप्टी कमांडेंट ने उनके बेटे की गर्दन पकड़कर उसे तीसरी मंजिल से फेंकने की धमकी दी।



घटना के बाद से बच्चा डरा हुआ है। परिजनों के अनुसार, घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:50 बजे की है। दोनों बच्चे एक ही कक्षा में पढ़ते हैं। स्कूल में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद एक बच्चे ने अपने पिता को इसकी जानकारी दी। आरोप है कि इसके बाद डिप्टी कमांडेंट स्कूल पहुंचे और सीधे कक्षा में जाकर अपने बेटे के सहपाठी की पिटाई कर दी। परिजनों का कहना है कि छात्र ने गाली देने और धमकी देने की बात भी बताई है।

परिजनों ने एसपी से की शिकायत

छात्र की मां ममता वासनिक ने एसपी से शिकायत कर मामले में नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने पहले मामले को दबाने का प्रयास किया। उनका कहना है कि स्कूल के शिक्षक घर भी पहुंचे थे और मामले में शिकायत नहीं करने की बात कही थी। हालांकि, बच्चे के साथ भविष्य में कोई अनहोनी न हो, इस आशंका के चलते परिवार ने पुलिस से शिकायत की। स्कूल की प्राचार्य पूर्णिमा देशमुख ने बताया कि घटना के कुछ देर बाद शिक्षक कक्षा में पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि स्कूल के नियमों के विपरीत आचरण के मामले में कार्रवाई करते हुए संबंधित बालक को टीसी दे दी गई है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच का भरोसा दिलाया है। फिलहाल, मामले में आगे की कार्रवाई जांच के बाद होगी।

शासकीय कन्या शाला लांजी में छात्राओं को पानी की बोतलों का वितरण

हरिभूमि न्यूज़ लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत 2 अक्टूबर से प्रारंभ किए गए 'सेवा मेरा योगदान' सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय कन्या शाला लांजी में छात्राओं को आवश्यक सामग्री वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं को पानी की बोतलों का वितरण कर उन्हें स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की आवश्यकताओं में सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ समाज में सेवा, समर्पण और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश के प्रत्येक नागरिक की इसमें सक्रिय सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि देश के विकास में केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सभी को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझना चाहिए।उन्होंने कहा कि स्वच्छता की शुरुआत अपने घर से होती है, लेकिन हमारी जिम्मेदारी केवल घर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। हमारा मोहल्ला, गांव और आसपास का पूरा वातावरण भी



स्वच्छ रहना चाहिए। पर्यावरण को शुद्ध और सुरक्षित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की आवश्यकता है। साथ ही समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करना भी सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों सहित उपस्थित सभी लोगों से अपने दैनिक जीवन में सेवा, सहयोग और स्वच्छता को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों तथा समाज में जनभागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सामाजिक कार्यों से जोड़ने और जनकल्याण की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सेवा कार्यों में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर रमेश असाटकर ने "देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें" प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किया।

डॉ. सुधन्वा सिंह नेताम शासकीय महाविद्यालय मलाजखंड में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज़ बालाघाट। डॉ. सुधन्वा सिंह नेताम शासकीय महाविद्यालय मलांजखंड में प्राचार्य डॉ. एम. के. धुर्वे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर का विकास तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. राजेन्द्र कुमार पिवहरे ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वायु को शुद्ध करने तथा जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. विजयश्रीकांत मिश्रा की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। महाविद्यालय की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति जागरूक करना तथा स्वच्छ, सुंदर और हरित परिसर के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।



सड़क किनारे फेंका मिला नशीला बायोमेडिकल वेस्ट



शिकायत के बाद बीएमओ ने किया मौका का निरीक्षण, कार्रवाई का दिया भरोसा

कटंगी। स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के तमाम सरकारी दावों की कलई खोलती एक भयावह तस्वीर मॉयल नगरी तिरोड़ी से सामने आई है। यहाँ आस्था और आम जनजीवन के केंद्र, शक्ति माई मंदिर से मॉयल विश्राम गृह की ओर जाने वाले सार्वजनिक मार्ग पर किसी ने बायोमेडिकल वेस्ट फेंक दिया है। जिसमें नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाएँ, एक्सपायरी इंजेक्शन और संक्रमित सिरिंजें खुले में पड़ी हैं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि सीधे-सीधे जन-स्वास्थ्य के साथ आपराधिक खिलवाड़ है। इस गंभीर मामले को उजागर किया है जागरूक युवा और सरपंच पति जुनैद खान ने। उन्होंने शुक्रवार को इस पूरे मामले की लिखित शिकायत खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजय सिंह यादव से की थी। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए बीएमओ डॉ. भलावी ने शनिवार दोपहर 12 बजे मौके का निरीक्षण किया। बीएमओ ने माना कि सबसे चिंताजनक बात यह थी कि इसमें कई ऐसी दवाएं थीं जो नशे के रूप में इस्तेमाल की जाती हैं। मौके पर मौजूद बीएमओ डॉ. विनोद भलावी ने मीडिया से चर्चा में कहा, मैंने पूरे कचरे की जांच की है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि इनमें से एक भी दवा सरकारी अस्पताल की नहीं है। यह पूरी तरह से प्राइवेट मेडिकल स्टोर से संबंधित वेस्ट है। इसमें कई दवाएं नशीली श्रेणी की हैं। डॉ. भलावी ने बताया कि नियमानुसार बायोमेडिकल वेस्ट को खुले में फेंकना गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि वे मौके का पंचनामा तैयार कर रहे हैं और पूरे मामले का ज्ञापन बनाकर तहसीलदार, एसडीएम और वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों को भेजा जाएगा। जिस किसी ने भी यह कृत्य किया है, उसकी पहचान कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बीएमओ ने इस दौरान बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन की प्रक्रिया भी समझाई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सब हेल्थ वेलनेस सेंटर (एसडब्ल्यूसी) का बायोमेडिकल वेस्ट सिवनी भेजा जाता है, जहां एक अधिकृत एजेंसी द्वारा इसका वैज्ञानिक तरीके से ट्रीटमेंट और निस्तारण होता है। सरकारी सिस्टम में इसका पूरा रिकॉर्ड रहता है। लेकिन सवाल प्राइवेट मेडिकल स्टोर और प्राइवेट क्लीनिकों पर उठ रहा है। उन्होंने कहा, अब इस मामले की गहराई से जांच की जाएगी कि क्षेत्र में जितने भी लोग मेडिकल क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, निजी अस्पताल, क्लीनिक और मेडिकल स्टोर चलाते हैं, क्या उनके पास बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट का लाइसेंस या किसी अधिकृत एजेंसी के साथ अनुबंध है या नहीं। अगर नहीं है तो वे अपना वेस्ट कहां फेंक रहे हैं। क्षेत्र भर में जो भी लोग खुले में बायोमेडिकल वेस्ट फेंक रहे हैं, उन पर बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 के तहत कार्रवाई होगी। इस पूरे मामले को उजागर करने वाले शिकायतकर्ता जुनैद खान ने बताया कि जहां यह जहरीला कचरा फेंका गया है, वह कोई सुनसान जगह नहीं है। वह मॉयल विश्राम गृह और शक्ति माई मंदिर को जाने वाला आम रास्ता है। इस रास्ते से हर दिन सैकड़ों श्रद्धालु, स्कूली बच्चे और ग्रामीणों की आवाजाही होती है।

गौरतलब है कि यह पहला मामला नहीं है। हमने बीते दिनों ही प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर प्रशासन को अवगत करवाया था कि कटंगी और तिरोड़ी क्षेत्र के किसी भी निजी अस्पताल और कई सरकारी अस्पतालों में भी बायोमेडिकल वेस्ट को नष्ट करने के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं हैं। बायोमेडिकल वेस्ट को सामान्य कचरे के साथ ही नदी-नालों और सड़कों किनारे फेंका जा रहा है, जिससे हेपेटाइटिस, एचआईवी जैसे संक्रमण फैलने का खतरा हमेशा बना रहता है। तिरोड़ी में नशीला वेस्ट फेंका जाना इस बात की पुष्टि करता है कि प्राइवेट मेडिकल स्टोर एक्सपायरी और नशीली दवाओं को रिकॉर्ड से हटाने के लिए उसे चोरी-छिपे खुले में फेंक रहे हैं, ताकि पकड़े न जाएं। यह न सिर्फ पर्यावरणीय अपराध है, बल्कि ड्रग्स के अवैध कारोबार की तरफ भी इशारा करता है। अब देखना होगा कि पंचनामा कार्रवाई केवल कागजों में ही सिमट कर रह जाती है या फिर कोई कार्रवाई भी होती है।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

कटंगी। जब सिस्टम आंख मूंद लेता है, तो मां-बहनों को ही मोर्चा संभालना पड़ता है। कुछ ऐसा ही हाल कटंगी शहर के मुंदीवाड़ा का हो गया है। यहां की महिलाओं ने अब शराब माफियाओं के खिलाफ आर-पार की लड़ाई छेड़ दी है। अवैध कच्ची हाथ-भट्टी और देसी-विदेशी शराब की बिक्री से तंग आकर महिलाओं ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजय सिंह यादव से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में महिलाओं ने सिर्फ शराब बेचने वालों की ही नहीं, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मुंदीवाड़ा में अवैध शराब बिक्री का यह गोरखधंधा कोई नया नहीं है। मोहल्ले के भीतर ही करीब 10 लोग लंबे समय से अवैध तरीके से शराब बेच रहे थे। शाम होते ही मोहल्ले में शराबियों का जमावड़ा लग जाता था, गाली-गलौज, मारपीट और घरों में क्लेश रोज की बात हो गई थी। इससे परेशान होकर करीब 20 दिन पहले मुंदीवाड़ा की महिलाओं ने एकजुट होकर आवाज बुलंद की थी। महिलाओं की एकता का असर भी हुआ था। उनके विरोध और सामाजिक दबाव के बाद 10 में से 6 लोगों ने शराब बेचना बंद कर दिया। लेकिन अभी भी 4 लोग हैं जो पुलिस और प्रशासन को खुली चुनौती दे रहे हैं। इनमें एक महिला भी शामिल है जो बेखौफ होकर अपने घर से शराब की बिक्री कर रही है। महिलाओं का आरोप है कि यही 4 लोग पूरे मोहल्ले का माहौल खराब कर रहे हैं।

पुलिस आई, समझाइश देकर चली गई, कार्रवाई नहीं-

महिलाओं ने अपनी शिकायत स्थानीय पुलिस से भी की। शिकायत के बाद पुलिस एक बार मुंदीवाड़ा आई भी। लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय सिर्फ समझाइश देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली। महिलाओं ने बताया कि जब पुलिस समझाइश दे रही थी, तभी शराब बेचने वाली एक महिला अपना दुखड़ा रोने लगी कि परिवार पालने के लिए शराब न बेचूं तो क्या करूं। इस पर पुलिस ने उसे दूसरा काम करने की सलाह दी और वापस लौट गई। पुलिस के जाने के बाद उसी महिला ने फिर से शराब बेचना शुरू कर दिया। महिलाओं का सवाल है कि क्या यही पुलिस की कार्रवाई है? क्या अवैध धंधे को समझाइश से रोका जा सकता है?

लाइसेंसी दुकानें भी जिम्मेदार-

महिलाओं ने ज्ञापन में एक बहुत बड़ा आरोप लगाया है जो पूरे सिस्टम की पोल खोलता है। उन्होंने बताया कि मुंदीवाड़ा ही नहीं, बल्कि पूरे कटंगी ब्लॉक के ग्रामीण अंचलों में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। और इसके पीछे देसी-विदेशी शराब की लाइसेंसी दुकानों के संचालक भी जिम्मेदार हैं। आरोप है कि अपनी बिक्री और खपत बढ़ाने के लिए लाइसेंसी दुकानों से ही गांव-गांव में अवैध रूप से शराब की सप्लाई की जा रही है। यही शराब गांवों में पान ठेलों, किराना दुकानों और होटलों-ढाबों पर दोगुने दाम पर बिक रही है। आज स्थिति यह है कि गांव के युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक की रगों में शाम होते ही शराब दौड़ने लगती है। पुलिस इस पूरे नेटवर्क को भली-भांति जानती है, लेकिन कार्रवाई नहीं करती। स्थानीय लोगों और सूत्रों की मानें तो पुलिस की इस निष्क्रियता के पीछे बड़ी वजह राजनीतिक संरक्षण है। सूत्र बताते हैं कि पुलिस को कार्रवाई न करने के अप्रत्यक्ष मौखिक निर्देश सत्ता में बैठे कुछ नेताओं की तरफ से आते हैं। क्योंकि अवैध शराब से होने वाली कमाई का एक हिस्सा ऊपर तक जाता है। इसलिए शराब भले ही इंसानों के शरीर में धीमा जहर घोल रही हो, लेकिन शासन के लिए यह राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत बनी हुई है।

महिलाओं की मांग और सवाल-

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए मुंदीवाड़ा की महिलाओं ने मांग की है कि शेष बचे 4 अवैध शराब विक्रेताओं पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाए। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पान ठेलों, किराना दुकानों पर बिक रही अवैध शराब पर छापेमार कार्रवाई की जाए। लाइसेंसी दुकानों से हो रही अवैध सप्लाई की जांच कराई जाए। साथ ही महिलाओं ने कुछ बड़े सवाल भी खड़े किए हैं जिनका जवाब शासन-प्रशासन को देना होगा - आखिर सरकार शराबबंदी पर विचार क्यों नहीं करती? जब गुजरात और बिहार जैसे राज्यों में शराबबंदी हो सकती है तो मध्यप्रदेश में क्यों नहीं? पुलिस और आबकारी विभाग आंख बंद करके क्यों बैठा है? क्या महिलाओं की आबरू और बच्चों का भविष्य राजस्व से सस्ता है।

रात के अंधेरे में चंदन नदी को खोखला कर रहे है रेत माफिया

वार्ड नम्बर 11-12 में रेत का डम्प
खनिज व पुलिस विभाग का नहीं है ध्यान

वारासिवनी। जिले में एक अक्टूम्बर से रेत खनन का ठेका प्रारंभ होने के साथ ही जिम्मेदारों की अकर्मण्यता के चलते वारासिवनी अनुविभाग में रेत चोरी बदस्तूर चालू होकर नदियों का सीना छलनी करना प्रारंभ हो गया है। विदित हो कि जून 26 तक जिले के विभिन्न रेत घाटों की नीलामी नहीं हुई थी, तो खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा अवैध रेत खनन पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही थी। लेकिन अक्टूबर 26 से जिले के रेत घाटों से खनन की अनुमति ठेकेदार को मिल गई है। उसके बाद से वारासिवनी क्षेत्र की नदियों के जिन रेत घाटों की नीलामी शासन द्वारा नही की गई हैं, उन रेत घाटों से रेत की चोरी बड़े पैमाने पर प्रारंभ हो गई है और पुलिस विभाग सहित खनिज विभाग के जिम्मेदार भी मौन साधे खुली आँखों से नदियों को चोरों के द्वारा लूटते देख रहे हैं।

चंदन नदी से हर दिन ट्रैक्टरों और बैलगाडिय़ों से हो रही रेत चोरी...

वारासिवनी शहर के वार्ड नम्बर 11 एवं वार्ड नम्बर 12 मरारी मोहल्ले, खंडवा घाट, खंडवा मोक्षधाम, मेहंदीवाड़ा, सिकंदरा, महदोली, सिंगोड़ी सहित चंदन नदी के विभिन्न घाटों से हर दिन दर्जनों ट्रैक्टरों और बैलगाडियों के माध्यम से हर दिन चोर रेत की चोरी कर रहे हैं। सबसे अधिक चोरी शहर के वार्ड नम्बर 12 मरारी मोहल्ले से बहने वाली चंदन नदी से रेत की चोरी हो रही हैं, जहाँ पर रेत चोरों ने बाकायदा नगरपालिका के निर्माणाधीन एक उपक्रम के पास रेत का भारी भरकम डम्प करके रखा हैं। जहाँ से इन लोंगों द्वारा प्रतिदिन रात्रि में ट्रैक्टरों से शहर के भीतर से ही रेत का खुलेआम रात भर परिवहन किया जा रहा है। जिससे ट्रैक्टरों की आवाज से लोंगों की नींदें भी खराब हो रही हैं।

खनिज विभाग के साथ पुलिस गश्त पर भी सवाल...

नदियों से हो रही लगातार रेत चोरी से खनिज विभाग के साथ वारासिवनी अनुविभाग की पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोंगों का कहना हैं कि रात्रि में जब ये रेत चोर धड़ाके से रेत चोरी कर शहर की सडक़ों से और थाने के सामने से लगातार गुजर रहे हैं, ऐसे में रात्रि में गश्त करने वाले कर्मचारियों की निगाह से ये चोरी की रेत से भरे ट्रैक्टर कैसे बच कर निकल जा रहे हैं या फिर जानबूझकर ये पुलिस कर्मी उन ट्रैक्टरों को निकलने दे कर अपनी दोस्ती निभा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर भी रेत चोरी को लेकर उठी आवाज...

बीते दो दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुपों में चंदन नदी से हो रही लगातार रेत चोरी और इससे गिरते नदी के जलस्तर को लेकर पोष्ट वायरल हो रही हैं। इन ग्रुपों में पुलिस अधिकारियों, खनिज विभाग के अधिकारियों सहित चुनाव पूर्व रेत चोरी का बढ़चढक़र विरोध करने वाले जनप्रतिनिधियों के साथ ही जिनके इलाके से रेत की चोरी हो रही हैं, उस नपाध्यक्ष के प्रतिनिधि भी इस ग्रुप में जुड़े हुए हैं, बावजूद उसके इन रेत चोरों पर किसी तरह की कार्यवाही अब तक ना होना चिंताजनक हैं। जिससे ऐसा प्रतीत होता हैं कि



लगातार हो रही रेत चोरी में जिम्मेदार अधिकारियों और हमारे जनप्रतिनिधियों की रेत के इन अवैध कारोबारियों को मौन स्वीकृति हैं। इसलिए इन लोंगों पर किसी भी तरह की कार्यवाही जानकारी होने के बावजूद भी नही की जा रही हैं

इनका कहना है:-

पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। यदि रेत चोरी कर बेची जा रही है, तो ऐसे लोगों पर शीघ्र कार्यवाही की जायेगी।

अनूप कुमार उइके थाना प्रभारी वारासिवनी।